

मेरा तू ही तो हमदर्द है

तर्ज: एक ऐसी लडकी थी

दुनिया के आगे प्रभु चुपचाप में रहता हूँ -2
मेरा तू ही तो हमदर्द है जिसे हर दर्द कहता हूँ,
दुनिया के आगे प्रभु.....

दुनिया की 'आदत' करते बगावत 'जब दिन बुरे घेरते -2
नजरे है चुराते दूरी बढ़ाते 'सभी यार मुंह फेरते -2
ना समझे कोई भी किसी की परेशानियां,
मेरा तू ही तो हमदर्द है जिसे हर दर्द कहता हूँ,
दुनिया के आगे प्रभु.....

जग है छलावा तेरे अलावा 'किसी पे भरोसा नहीं 2
मुझे दाना पानी सिवा तेरे दानी 'किसी ने परोसा नहीं 2
भला कैसे भूलूं मैं तेरी मेहरबानियाँ,
मेरा तू ही तो हमदर्द है जिसे हर दर्द कहता हूँ,
दुनिया के आगे प्रभु.....

आया नजर ना कोई भी अपना 'जब मुझको दरकार थी 2
तब मेरे पथ' का जीवन के रथ का 'तू ही बना सारथी 2
माधव ने की हर कदम पर निगहबानिया,
मेरा तू ही तो हमदर्द है जिसे हर दर्द कहता हूँ,
दुनिया के आगे प्रभु.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33421/title/Mera-tu-hi-to-hamdard-h>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |